अत्यतं गोपनीय - केवल आतंरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर स्कूल सर्टिफिके ट परीक्षा - **2020**

अंक-योजना SANSKRIT ELECTIVE

SUBJECT CODE : 022 PAPER CODE : 49

सामान्य निर्देश :-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें। **मूल्यांकन हम सबके लिए 10-12 दिन का मिशन है अतः यह आवश्यक है कि आप इसमें अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।**

2. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।**

3. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकन कर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

4. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×)। मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

5. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**

6. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

8. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

9. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

10. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की बीस उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

11. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं –

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर या दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में अंकों और शब्द में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त निशान ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो)
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो किंतु अंक न दिए गए हों।

12. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

13. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन कार्य में लगे सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।

14. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।

15. प्रत्येक परीक्षक सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

16. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देत। है।

अंक-योजना (Marking Scheme) XII Class 2020
संस्कृतम् (Sanskrit Elective) Set 4(**Code No. 49**)

कृपया ध्यान दीजिए ः

1। कुछ प्रश्नों के विकल्पात्मक उत्तर भी हो सकते हैं। इस अंक योजना में दिए गए उत्तर निदर्शनात्मक हैं। इनके अतिरिक्त भी संदर्भानुसार सही उत्तर हो सकते हैं,अतः अंक दिए जाएँ।

2। अनुच्छेद अथवा श्लोकों पर आधारित प्रश्न अवबोधनात्मक हैं। विद्यार्थी अनुच्छेद में दिए गए शब्दों के स्थान पर पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग भी कर सकते हैं इसके लिए भी अंक दिए जाएँ। विद्यार्थी उत्तर देते समय उपयुक्त विभक्ति अथवा वचन का प्रयोग नहीं करते तो अंशतः अंक काटे जाएँ संपूर्ण नहीं।

3। त्रुटिपूर्ण वर्तनी अथवा व्याकरणात्मक प्रयोगों के लिए अनुपाततः अंक काटे जाएँ न कि पूरे अंक।

4। आंशिक दृष्टि से सही उत्तरों के लिए भी अंशतः अंक अवश्य दिए जाएँ।

5। खण्ड 'ख' में (रचनात्मकं कार्यम्) के अन्तर्गत वाक्य निर्माण संबंधी प्रश्नों में वाक्य संरचना प्रमुख है न कि वाक्य का सौंदर्य तत्त्व। आंशिक वाक्य-शुद्धता के लिए भी अंक दिए जाएँ।

संकेतात्मक उत्तर व अंक विभाजन ः

खण्डः 'क' (Section-A)(अपठित अवबोधनम्) 10 अङ्काः

1। (अ) एकपदेन उत्तरत। (केवल दो प्रश्न) प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। $1\times2=2$

(i) भारतम् (ii) तपस्वी (iii) मरुस्थले

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत । (केवल दो प्रश्न) प्रत्येक भाग के लिए **2** अंक। $2\times2=4$

(i) 'भवान् इदानीं मृत्योः हस्ते अस्ति'इति।

(ii) .....एकः चषकः...।

(iii) .....सः विश्वम् अजयत् ...।

(स) तपस्वी, गर्वितः / विश्वविजेता सिकंदरः , गर्वः न शोभते अथवा अन्य उपयुक्त शीर्षक । 1

(द) यथानिर्देशम् उत्तरत। (केवल तीन प्रश्न) प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। $1\times3=3$

(i) तपस्वी (ii) क्रुद्धः (iii) सिकन्दराय (iv) जनम्

खण्डः 'ख' (Section-B) (संस्कृतेन रचनात्मकलेखनम्) 15 अङ्काः

2। कानिचित् पञ्चपदानि आधृत्य वाक्यलेखनम् $1\times5=5$

बच्चों के द्वारा,प्रदत्त नौ शब्दों में से किन्हीं पाँच शब्दों के प्रयोग द्वारा सरल,संक्षिप्त वाक्य अपेक्षित है। केवल वाक्य की शुद्धता देखी जाए। इस प्रश्न का प्रमुख उद्देश्य वाक्य रचना है। वाक्य लघु अथवा दीर्घ हो यह महत्वपूर्ण नहीं। व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध होने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ । बच्चे स्वयं भी दिए गए शब्दों की विभक्तियाँ आदि भी बदल सकते हैं अतः अंक दिए जाएँ। त्रुटियों के अंक अंशतः काटे जाएँ। पूर्णतया शुद्ध होने पर ही **5** अंक दिए जाएँ। प्रत्येक वाक्य के लिए **1** अंक हैं।

3। 'आचारः परमो धर्मः' अथवा 'विद्याधनम्' इति विषये **अनुच्छेद**लेखनम् $\frac{1}{2}\times10=5$

10 वाक्यों के अनुच्छेद लेखन में बच्चों से सरल,संक्षिप्त वाक्य अपेक्षित है। केवल वाक्य की शुद्धता देखी जाए। इस प्रश्न का प्रमुख उद्देश्य वाक्य रचना है। वाक्य लघु अथवा दीर्घ हो यह महत्वपूर्ण नहीं। व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध होने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ । दिए गए तथ्य सहायतार्थ हैं, बच्चे तथ्यों को प्रयोग मे लाएँ अथवा नहीं -आवश्यक नहीं। वे स्वयं शब्दों का प्रयोग कर वाक्य -निर्माण कर सकते हैं। बच्चे स्वयं भी दिए गए तथ्यों की वचन,विभक्तियाँ आदि भी बदल सकते हैं अतः अंक दिए जाएँ। त्रुटियों के अंक अंशतः काटे जाएँ। पूर्णतया शुद्ध होने पर ही **5** अंक दिए जाएँ। प्रत्येक वाक्य के लिए $\frac{1}{2}$ अंक हैं।

4। अनुवाद सम्बन्धी इस प्रश्न में किन्हीं पाँच वाक्यों का अनुवाद करना है। बच्चों से सरल,संक्षिप्त वाक्य अपेक्षित है। दिए गए वाक्यों से अन्य विकल्पात्मक उत्तर भी हो सकते हैं अतः अंक दिए जाएँ। $1\times5=5$

(i) रामः विद्यालयं गच्छति। (ii) वयम् उद्याने खेलामः /क्रीडामः। (iii) लता रमा च एकं गीतं गायतः।
(iv) इदं मम पुस्तकं अस्ति। (v) ते श्वः निबन्धं लेखिष्यन्ति। (vi) अहम् अपि पाठम् अपठम्। (vii)वृक्षात् फलं पतति।

खण्डः 'ग' (Section-C)(पठितांश अवबोधन एवं संस्कृत साहित्य-इतिहास का परिचय) 40 अंकाः

5। इस प्रश्न का मूल उद्देश्य **अवबोधन** परीक्षण है ।बच्चे **पर्यायवाची** शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं। पूर्ण अंक दिए जाएँ। आंशिक सही होने पर भी आंशिक अंक दिए जाएँ।

गद्यांशः (अ) एकपदेन उत्तरत - - । (केवल दो प्रश्न)। प्रत्येक के लिए 1 अंक। $1\times2=2$

(i) खुराः (ii) वृक्षशाखाः (iii) स्वकार्यात्/स्वकार्याद्

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत - । (केवल दो प्रश्न)। एक प्रश्न के लिए $1\frac{1}{2}$ अंक। $1\frac{1}{2}\times2=3$

(i) 'देहं वा पातयेयं कार्यं वा साधयेयम्' इति शिववीरचरस्य...।
(ii) महान्धतमसेन ग्रस्यमानानामिव सत्त्वानां..... गगनतलम् आसीत्।
(iii) पदे पदे दोधूयमानाः वृक्षशाखाः सम्मुखनाध्नन्ति।

6। **पद्यम्** (अ) एकपदेन उत्तरत - - । (केवल दो प्रश्न)। प्रत्येक के लिए 1 अंक। $1\times2=2$

(i) परगुणपरमाणून (ii) पुण्यपीयूषेन (iii) सन्तः

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत - । (केवल दो प्रश्न)। एक प्रश्न के लिए $1\frac{1}{2}$ अंक। $1\frac{1}{2}\times2=3$

(i) सज्जनाः मनसि वचसि काये पीयूषपूर्णाः भवन्ति/नित्यं परगुणपरमाणून पर्वतीकृत्य निजहृदि विकसन्ति।
(ii) सज्जनाः नित्यं परगुणपरमाणून पर्वतीकृत्य निजहृदि विकसन्ति।
(iii) सन्तः उपकारश्रेणिभिः त्रिभुवनं प्रीणयन्ति।

7। **नाट्यांशम्** (अ) एकपदेन उत्तरत - - । (केवल दो प्रश्न)। प्रत्येक के लिए 1 अंक। $1\times2=2$

(i) आश्चर्यम् (ii) आश्वमेधिकः (iii) युष्माभिः/वटुभिः

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत - । (केवल दो प्रश्न)। एक प्रश्न के लिए $1\frac{1}{2}$ अंक। $1\frac{1}{2}\times2=3$

(i) .....शतसंख्याः कवचिनो दण्डिनो निषङ्गिणः च .....।
(ii) बटवः सैनिकान् पृच्छन्ति भो भोः! किं प्रयोजनोऽयमश्वः परिवृत्तः पर्यटति?
(iii) लवः वदति यत् 'अश्वमेध' इति नाम..... उत्कर्षनिकषः।

8। **शब्दार्थ -संबंधी** इस प्रश्न में बच्चे केवल क्रमसंख्या लिख सकते हैं अंक दिए जाएँ। वर्तनी आदि की दृष्टि से अंक अंशतः ही काटे जाएँ। प्रत्येक भाग के लिए $\frac{1}{2}$ अंक। (केवल चार प्रश्न) $\frac{1}{2}\times4=2$

(अ) असारः	(vi) सारहीनः
(ब) क्रूरः	(v) कठोरः
(स) न्यूनम्	(iv) अल्पम्
(द) भास्करः	(i) सूर्यः
(य) आर्जवम्	(iii) सारल्यम्
(र) नीरजम्	(ii) कमलम्

9 । प्रश्न निर्माण- इसमें रेखांकित शब्द के लिए प्रश्ननिर्माण करना हैं। बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं। प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक (केवल चार प्रश्न)

(i) कस्मै (ii) के (iii) कानि (iv) किम् (v) कस्य (vi) कैः $1\times4=4$

10 । भावार्थ-संबंधी इस प्रश्न में बच्चे मञ्जूषा से केवल उत्तर लिख सकते हैं। अतः पूर्ण अंक दिए जाएँ। प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। $1\times3=3$

(अ) (i) विद्ययोः (ii) जनः (iii) अमृतत्वम्

अथवा

(ब) (i) करोति (ii) अनासक्त्या (iii) परमेश्वरम्

11 । अन्वय-संबंधी इस प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं। प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। $1\times3=3$

(अ) (i) महर्षिः (ii) चिराय (iii) भक्तिम्

अथवा

(ब) (i) विचक्षणः (ii) वर्णाश्रमाणाम् (iii) आचचक्षे

12 । यथानिर्देशम् उत्तरत इस प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं।

(अ) (i) कर्तृपदं =शुकनासः क्रियापदं = उवाच **अथवा** (ii) कर्तृपदं= अत्यासङ्गः क्रियापदं = नाशयति 1

(ब) (i) विशेषण =अतिगहनं विशेष्य = तमः **अथवा** (ii) विशेषण = अपगतमले विशेष्य = मनसि 1

(स) (i) लवाय **अथवा** (ii) चन्द्रापीडाय 1

(द) (i) प्रबन्धपारिजातः **-** मथुरानाथ शास्त्री **अथवा** (ii) पाषाणीकन्या **-** श्रीचन्द्रशेखरदासः 1

(य) (i) श्रीनायारः **-** श्रीदासम् **अथवा** (ii) शुकनासः-चन्द्रापीडम् 1

13 । (अ) **कवि- काव्य**_ इस प्रश्न में बच्चे किसी भी एक काव्य का नाम लिख सकते हैं। (केवल चार प्रश्न) $1\times4=4$

(i)	वेदव्यास =	महाभारतम्,विदुरनीति	(अथवा कोई अन्य ग्रन्थ)
(ii)	बाणभट्टः =	कादम्बरी, हर्षचरितम्,पार्वतीपरिणयम्	(अथवा कोई अन्य ग्रन्थ)
(iii)	मथुरानाथ शास्त्री =	प्रबन्धपारिजातः	(अथवा कोई अन्य ग्रन्थ)
(iv)	अम्बिकादत्तव्यास =	शिवराजविजयः	(अथवा कोई अन्य ग्रन्थ)
(v)	पण्डितराज जगन्नाथः =	भामिनी विलास,रसगंगाधर,गंगालहरी	(अथवा कोई अन्य ग्रन्थ)

(ब) **रचना- लेखक**_ इस प्रश्न में बच्चे लेखक का नाम लिखेंगे। (केवल चार प्रश्न) $1\times4=4$

(i) रघुवंशम् = कालिदासः
(ii) नीतिशतकम् = भर्तृहरिः
(iii) प्रबन्ध-मञ्जरी = नारायण भट्ट
(iv) पाषाणी-कन्याा = चन्द्रशेखरदासः
(v) समुद्र-संगम = दाराशिकोहः

खण्डः 'घ' (Section-D) (छन्द एवं अलङ्कार) 15 अङ्काः

14। (अ) **छन्द** सम्बन्धी इस प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं। (केवल दो प्रश्न) $1\times2=2$

(i) गुरुः गुरुः गुरुः (ऽऽऽ) (ii) नगण (iii) गुरुः

(ब) **छन्द** सम्बन्धी इस प्रश्न में बच्चे केवल रिक्तस्थान में उत्तर लिख सकते हैं। (केवल दो प्रश्न) $1\times2=2$

(i) जगौ गः (ii) मासजौ सततगाः (iii) मन्दाक्रान्ताम्बुधि

(स) **छन्द** सम्बन्धी इस प्रश्न में बच्चे छन्द का एक उदाहरण लिख सकते हैं। (केवल एक प्रश्न) 1

(i) मालिनी = सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं ..... **अथवा** अन्य उपयुक्त उदाहरण

(ii) वंशस्थम् = विधाय मूर्तिं कपटेन वामनीम्।..... **अथवा** अन्य उपयुक्त उदाहरण

(द) **छन्द** सम्बन्धी इस प्रश्न में बच्चे केवल छन्द का नाम लिख सकते हैं। (केवल तीन प्रश्न) $1\times3=3$

(i) अनुष्टुप् (ii) मन्दाक्रान्ता (iii) उपेन्द्रवज्रा (iv) शार्दूलविक्रीडितम्

15 (अ) किसी एक शब्दालङ्कार का उदाहरण (केवल एक प्रश्न) $2\times1=2$

(i) यमकम् = सत्यर्थे पृथगर्थायाः स्वरव्यंजनसंहतेः।क्रमेण तेनैवावृत्ति यमकं विनिगद्यते।
उदाहरण = नवपलाश पलाशवनं पुरः स्फुट पराग-परागत-पङ्कजम् ... **अथवा** अन्य उपयुक्त उदाहरण

अथवा

(ii) अनुप्रास = अनुप्रासः शब्दसाम्यं वैषम्येऽपि स्वरस्य यत्।
उदाहरण = वहन्ति वर्षन्ति नदन्ति ... **अथवा** अन्य उपयुक्त उदाहरण

(ब) किसी एक अर्थालङ्कार का लक्षण व उदाहरण (केवल एक प्रश्न) $3\times1=3$

(i) उपमा = साधर्म्य उपमाभेद उपमानोपमेययोः।
उदाहरण = ययातेरिव शर्मिष्ठा भर्तुर्बहुमता भव। ... **अथवा** अन्य उपयुक्त उदाहरण

अथवा

(ii) अर्थान्तरन्यास = स्वतन्त्रवाक्यौ समर्थ्य-समर्थकभावेन तिष्ठतः।
उदाहरण = सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः परमापदां पदम्।... **अथवा** अन्य उपयुक्त उदाहरण

(स) अलंकार के प्रश्न में बच्चे केवल अलंकार का नाम लिख सकते हैं। (केवल दो प्रश्न) $1\times2=2$

(i) अमङ्गलमिव... = उत्प्रेक्षा

(ii) मम जीवनप्रदीपो... = रूपकम्

(iii) प्रतिकूलतामुपगते... = श्लेषः

****